» एसकेआरएयू में शोध सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

कृषि तकनीकों के अधिकाधिक पेटेंट पर दिया जोर

इबादत न्यूज

बीकानेर, 13 नवम्बर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की शोध सलाहकार समिति की बैठक कुलपति डॉ अरुण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मानव संसाधन विकास निदेशालय में आयोजित इस बैठक में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक व कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के पूर्व कुलपति डॉ जीत सिंह संधू विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित अतिथि थे। विकासशील किसान मुंशी राम व कुशाल सिंह सोढा विशेष आमंत्रित अतिथि थे। बैठक में रबी सीजन के लिए किसानों के फीडबैक पर आधारित शोध कार्यक्रमों और परिणामों पर मंथन किया गया।

बैठक में एमपीएयूएटी कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक व एसकेआरएयू कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कृषि तकनीकों के अधिकाधिक पेटेंट लेने पर जोर दिया। वहीं कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के पूर्व कुलपति डॉ. जीत सिंह संधू ने क्षेत्र की समस्याओं के आधार पर शोध कार्य करने का आह्वान किया। इससे पूर्व बैठक का प्रारंभ अनुसंधान निदेशक डॉ. विजय प्रकाश के द्वारा शोध उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत कर किया गया। साथ ही उनके द्वारा गत शोध सलाहकार समिति की बैठक के सुझावों पर कार्यवाही विवरण प्रस्तुत किया गया।

बैठक में कृषि अनुसंधान केंद्र श्रीगंगानगर के क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ. बी. एस. मीणा व कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एच एल देशवाल ने किसानों की समस्या पर आधारित शोध परिणामों को प्रस्तुत किया। बैठक में विभिन्न विभागाध्यक्षों ने विद्यार्थियों के शोध कार्यों पर आधारित परिणाम प्रस्तुत भी किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक, प्रधान वैज्ञानिक, अध्यापकों व किसानों ने हिस्सा लिया। डॉ. भूपेंद्र सिंह शेखावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ सुशील कुमार ने किया।

पंजाब केसरी
THU,14 NOVEMBER 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 3

एस.के.आर.ए.यू. में शोध सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

बीकानेर, 13 नवम्बर (प्रेम): स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की शोध सलाहकार समिति की बैठक कुलपति डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

मानव संसाधन विकास निदेशालय में आयोजित इस बैठक में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर के कुलपति डॉ अजीत कुमार कर्नाटक व श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के पूर्व कुलपति डॉ जीत सिंह संधू विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित अतिथि थे। विकासशील किसान मुंशी राम व कुशाल सिंह सोढा विशेष आमंत्रित अतिथि थे।

बैठक में रबी सीजन के लिए किसानों के फीडबैक पर आधारित शोध कार्यक्रमों और परिणामों पर मंथन किया गया।

बीकानेर में एस.के.आर.ए.यू. में शोध सलाहकार समिति की बैठक में शोध परिणामों को प्रस्तुत करते वैज्ञानिक।

बैठक में एम.पी.ए.यू.ए.टी. कुलपति डॉ अजीत कुमार कर्नाटक व एस.के.आर.ए.यू. कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कृषि तकनीकों के अधिकाधिक पेटेंट लेने पर जोर दिया। वहीं श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के पूर्व कुलपति डॉ जीत सिंह संधू ने क्षेत्र की समस्याओं के आधार पर शोध कार्य करने का आह्वान किया।

इससे पूर्व बैठक का प्रारंभ अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश के द्वारा शोध उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत कर किया गया। साथ ही उनके द्वारा गत शोध सलाहकार समिति की बैठक के सुझावों पर कार्यवाही विवरण प्रस्तुत किया गया।

बैठक में कृषि अनुसंधान केंद्र श्रीगंगानगर के क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ बी एस मीणा व कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एच एल देशवाल ने किसानों की समस्या पर आधारित शोध परिणामों को प्रस्तुत किया।

बैठक में विभिन्न विभागाध्यक्षों ने विद्यार्थियों के शोध कार्यों पर आधारित परिणाम प्रस्तुत भी किए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक, प्रधान वैज्ञानिक, अध्यापकों व किसानों ने हिस्सा लिया। डॉ भूपेंद्र सिंह शेखावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ सुशील कुमार ने किया।

एसकेआरएयू में शोध सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

एमपीएयूएटी कुलपति एवं एसकेआरएयू कुलपति ने कृषि तकनीकों के अधिकाधिक पेटेंट लेने पर दिया जोर

श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के पूर्व कुलपति ने क्षेत्र की समस्याओं के आधार पर शोध कार्य करने का किया आह्वान

सीमा किरण

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की शोध सलाहकार समिति की बैठक कुलपति डॉ अरुण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मानव संसाधन विकास निदेशालय में आयोजित इस बैठक में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर के कुलपति डॉ अजीत कुमार कर्नाटक व श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के पूर्व कुलपति डॉ जीत सिंह संधू विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित अतिथि थे।

विकासशील किसान मुंशी राम व कुशाल सिंह सोढा विशेष आमंत्रित अतिथि थे। बैठक में रबी सीजन के लिए किसानों के फीडबैक पर आधारित शोध कार्यक्रमों और परिणामों पर मंथन किया गया।

बैठक में एमपीएयूएटी कुलपति डॉ अजीत कुमार कर्नाटक व एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कृषि तकनीकों के अधिकाधिक पेटेंट लेने पर जोर दिया। वहीं श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के पूर्व कुलपति डॉ जीत सिंह संधू ने क्षेत्र की समस्याओं के आधार पर शोध कार्य करने का आह्वान किया। इससे पूर्व बैठक का प्रारंभ अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश के द्वारा शोध उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत कर किया गया। साथ ही उनके द्वारा गत शोध सलाहकार समिति की बैठक के सुझावों पर कार्यवाही विवरण प्रस्तुत किया गया।

बैठक में कृषि अनुसंधान केंद्र श्रीगंगानगर के क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ बी एस मीणा व कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एच एल देशवाल ने किसानों की समस्या पर आधारित शोध परिणामों को प्रस्तुत किया। बैठक में विभिन्न विभागाध्यक्षों ने विद्यार्थियों के शोध कार्यों पर आधारित परिणाम प्रस्तुत भी किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक, प्रधान वैज्ञानिक, अध्यापकों व किसानों ने हिस्सा लिया। डॉ भूपेंद्र सिंह शेखावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ सुशील कुमार ने किया।

एसकेआरएयू में शोध सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के पूर्व कुलपति ने क्षेत्र की समस्याओं के आधार पर शोध कार्य करने का किया आह्वान

■ लोकमत , बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की शोध सलाहकार समिति की बैठक कुलपति डॉ अरुण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मानव संसाधन विकास निदेशालय में आयोजित इस बैठक में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर के कुलपति डॉ अजीत कुमार कर्नाटक व कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के पूर्व कुलपति डॉ जीत सिंह संधू विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित अतिथि थे। विकासशील किसान मुंशी राम व कुशाल सिंह सोढा विशेष आमंत्रित अतिथि थे। बैठक में रबी सीजन के लिए किसानों के फीडबैक पर आधारित शोध कार्यक्रमों और परिणामों पर मंथन किया गया। बैठक में एमपीएयूएटी कुलपति डॉ अजीत कुमार कर्नाटक व एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कृषि तकनीकों के अधिकाधिक पेटेंट लेने पर जोर दिया। वहीं कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के पूर्व कुलपति डॉ जीत सिंह संधू ने क्षेत्र की समस्याओं के आधार पर शोध कार्य करने का आह्वान किया। इससे पूर्व बैठक का प्रारंभ अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश के द्वारा शोध उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत कर किया गया। साथ ही उनके द्वारा गत शोध सलाहकार समिति की बैठक के सुझावों पर कार्यवाही विवरण प्रस्तुत किया गया। बैठक में कृषि अनुसंधान केंद्र गंगानगर के क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ बी एस मीणा व कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एच एल देशवाल ने किसानों की समस्या पर आधारित शोध परिणामों को प्रस्तुत किया। बैठक में विभिन्न विभागाध्यक्षों ने विद्यार्थियों के शोध कार्यों पर आधारित परिणाम प्रस्तुत भी किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक, प्रधान वैज्ञानिक, अध्यापकों व किसानों ने हिस्सा लिया। डॉ भूपेंद्र सिंह शेखावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ सुशील कुमार ने किया।

शोध सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की शोध सलाहकार समिति की बैठक कुलपति डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मानव संसाधन विकास निदेशालय में आयोजित इस बैठक में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक, श्रीकर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के पूर्व कुलपति डॉ. जीत सिंह संधू, किसान मुंशी राम व कुशाल सिंह सोढा विशेष आमंत्रित अतिथि थे। बैठक में रबी सीजन के लिए किसानों के फीडबैक पर आधारित शोध कार्यक्रमों और परिणामों पर मंथन किया गया।

डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक व एसकेआरएयू कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कृषि तकनीकों के अधिकाधिक पेटेंट लेने पर जोर दिया। वहीं डॉ. जीत सिंह संधू ने क्षेत्र की समस्याओं के आधार पर शोध कार्य करने का आह्वान किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. विजय प्रकाश की ओर से शोध उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत कर किया गया।

दैनिक भास्कर
बीकानेर 14-11-2024

कृषि विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ समारोह का आयोजन

विद्यार्थियों को कम्फर्ट जोन छोड़ने और सिलेबस के अलावा अन्य किताबों को भी पढ़ने का दिया संदेश

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक ने कहा कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की उच्च प्रतिष्ठा है। यहां से पढ़ लिखकर गए युवा देश विदेश में परचम लहरा रहे हैं। उन्होने कहा कि अब विद्यार्थियों को कंफर्ट जोन छोड़ना होगा। टीम भावना के साथ आगे बढ़ना सीखना होगा। सिलेबस के अलावा अन्य किताबें पढ़कर खूब ज्ञानी बनना है। विशिष्ट अतिथि श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के पूर्व कुलपति डॉ.जेएस संधू ने कहा कि भारत माता की जय तभी होगी जब हम अपने चारों और साफ सफाई रखेंगे। देश के लिए कार्य करेंगे। समय पर कक्षाओं में आएं, तैयारी के साथ आएं और कक्षाओं में प्रश्न पूछने से ना झिझके। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि स्टूडेंट्स अपने मन में गोल फिक्स करें और फिर उसे हासिल करने के लिए पूरे मेहनत करें। जीवन में कोई भी कार्य असंभव नहीं है। दो सप्ताह तक चलने वाले दीक्षारम्भ कार्यक्रम में स्टूडेंट्स को विश्वविद्यालय के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।।आठ सेमेस्टर में चलने वाले विभिन्न कोर्सेस की जानकारी दी। कार्यक्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. विमला ढुकवाल, आईएबीएम निदेशक डॉ.आईपी सिंह और कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.पीके यादव ने विचार रखे।

दैनिक भास्कर बीकानेर 14-11-2024

कृषि विवि : बैठक में हुआ कृषि तकनीकों पर शोध का आह्वान

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की शोध सलाहकार समिति की बैठक कुलपति डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मानव संसाधन विकास निदेशालय में आयोजित इस बैठक में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक व कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के पूर्व कुलपति डॉ. जीत सिंह संधु विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित अतिथि थे। विकासशील किसान मुंशी राम व कुशाल सिंह सोढ़ा विशेष आमंत्रित अतिथि थे। बैठक में रबी सीजन के लिए किसानों के फीडबैक पर आधारित शोध कार्यक्रमों और परिणामों पर मंथन किया गया। बैठक में एमपीएयूएटी कुलपति डॉ अजीत कुमार कर्नाटक व एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कृषि तकनीकों के अधिकाधिक पेटेंट लेने पर जोर दिया। इससे पूर्व बैठक का प्रारंभ अनुसंधान निदेशक डॉ. विजय प्रकाश के द्वारा शोध उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत कर किया गया। साथ ही उनके द्वारा गत शोध सलाहकार समिति की बैठक के सुझावों पर कार्यवाही विवरण प्रस्तुत किया गया। बैठक में कृषि अनुसंधान केंद्र श्रीगंगानगर के क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ. बीएस मौणा व डॉ. एचएल देशवाल ने किसानों की समस्या पर आधारित शोध परिणामों को प्रस्तुत किया। बैठक में विभिन्न विभागाध्यक्षों ने विद्यार्थियों के शोध कार्यों पर आधारित परिणाम प्रस्तुत भी किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक, प्रधान वैज्ञानिक, अध्यापकों व किसानों ने हिस्सा लिया। डॉ भूपेंद्र सिंह शेखावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ सुशील कुमार ने किया।